# पर्यटन और सामाजिक सहभागिता के लिए हिन्दी संवादी कौशल

1. **पर्यटन का महत्व**
   - सामाजिक सहभागिता
   - जीवनानुभव का विस्तार
   - सम्पर्क जाल का विकास

2. **पर्यटन स्थलों की महत्ता**
   - भारत दर्शन
   - व्यावसायिक सम्भावनाओं में वृद्धि

3. **क्षेत्र विशेष सम्बन्धी ज्ञान**
   - भौगोलिक
   - ऐतिहासिक
   - सांस्कृतिक

4. **परम्पराओं की जानकारी**
   - स्थानीय पर्व
   - मेले

5. **संवाद कौशल**
   - आँचलिक भाषा
   - क्षेत्रीय बोली
   - लोकोक्ति
   - मुहावरे

6. **लोकज्ञान में अभिवृद्धि**
   - लोक संगीत
   - लोक नृत्य
   - लोक कथाएँ

**नोटः–** वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों में सुधार बाद में किया जाएगा।